तीन वर्षों के दौरान तेजी से बढ़े लड़कियों को अगवा करने के मामले, एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नाबालिगों के अपहरण में टॉप पर राजधानी

नई दिल्ली | जितेंद्र भारद्वाज

राष्ट्रीय राजधानी की जिस पुलिस को विश्वस्तरीय दर्जा दिलाने के प्रयास हो रहे हैं, उसकी नाक तले नाबालिगों के अपहरण हो रहे हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 15 वर्ष तक के लड़के-लड़कियों के अपहरण में दिल्ली सबसे ऊपर है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का क्राइम रिकॉर्ड देखें तो दिल्ली में पिछले तीन वर्ष के दौरान अपहरण के मामले तेजी से बढ़े हैं।

दिल्ली में नाबालिगों (0-15 वर्ष) की सुरक्षा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2009 में 1447 नाबालिगों का अपहरण हुआ। 2010 में यह आंकड़ा बढ़कर 2014 और वर्ष 2011 में 2242 हो गया। बता दें कि अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की तुलना में बच्चों के साथ होने अपराध रोकने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस द्वारा खासी चौकसी बरतने का दावा किया जाता है। लोकल पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच भी बच्चों के अपहरण जैसी वारदातों को रोकने में मदद करती है, लेकिन इसके बावजूद दिल्ली में नाबालिगों के अपहरण की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

दिल्ली में बच्चों के लिए काम करने वाले एनजीओ कई बार यह बात कह चुके हैं कि बच्चों के अपहरण के पीछे किसी गिरोह का हाथ है। मानव तस्करी के बड़े मामले सामने आने के बावजूद पुलिस यह मानने को तैयार नहीं है कि अपहरण की वारदातों के पीछे किसी गिरोह का हाथ है। बीबीए के संस्थापक कैलाश सत्यार्थी का कहना है कि इस बात को सिरे से नहीं नकारा जा सकता है कि अपराध कराने या फिर मानव तस्करी जैसे गैर-कानूनी कार्यों के चलते बच्चों का अपहरण कर लिया जाता है।

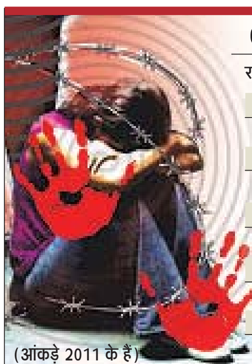

(आंकड़े 2011 के हैं)

0-15 वर्ष तक के बच्चों का अपहरण		
राज्य/प्रदेश	मामले	लड़कियां
दिल्ली	2242	934
उत्तरप्रदेश	782	653
महाराष्ट	281	194
आंध्रप्रदेश	236	204
पश्चिम बंगाल	229	155
राजस्थान	226	198
मध्यप्रदेश	213	191
बिहार	184	139
हरियाणा	183	147
गुजरात	162	141

15 -18 वर्ष के लड़कों का अपहरण	
राज्य/प्रदेश	मामले
दिल्ली	431
बिहार	133
पश्चिम बंगाल	106
उत्तरप्रदेश	67
महाराष्ट	36
झारखंड	30
राजस्थान	26
छत्तीसगढ़	25
हरियाणा	21
कर्नाटक	21

2670 लोगों का अपहरण हुआ था दिल्ली में वर्ष 2009 में

3565 लोगों को अगवा किया गया था साल 2010 में

4044 लोगों का अपहृत किया गया वर्ष 2011 में

अधिकांश मामलों में नहीं होती जांच-पड़ताल

एनजीओ का कहना है कि यदि कोई लापता बच्चा घर लौट आता है तो मामले की फाइल उसी वक्त बंद हो जाती है। परिजनों को यह संतुष्टि रहती है कि उनका बच्चा वापस आ गया है, अब उन्हें केस से कोई मतलब नहीं। इसी का फायदा उठाकर पुलिस भी उनसे आगे जांच न कराने का शपथ पत्र लेकर मामला बंद कर देती है।

छत्तीसगढ़ बन सकता है रोल मॉडल

महिलाओं व लड़कियों को नौकरी देने के नाम पर होने वाले गोरखधंधे को रोकने के लिए हाल ही में छत्तीसगढ़ की एक पंचायत ने विशेष प्रावधान किया है। इसके तहत राज्य से बाहर किसी भी कार्य के लिए जाने वाली महिला या लड़की को एक शपथपत्र पंचायत को देना होता है। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री प्रो. किरण वालिया ने बताया कि यह कदम दिल्ली के लिए रोल मॉडल बन सकता है।

महिलाओं की तस्करी रोकने में पुलिस नहीं करती मदद

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

उदासीनता

- दिल्ली पुलिस के रवैये से परेशान है प्रदेश सरकार
- केंद्र सरकार से करेगी शिकायत, ताकि मामलों में लाई जा सके कमी

दूर-दराज के राज्यों से बहला फुसलाकर लाई जा रही लड़कियों के मामले में दिल्ली पुलिस से दिल्ली सरकार को सहयोग नहीं मिल रहा है। यही वजह है कि इस तरह के मामलों पर लगाम लगाने में अड़चनें आ रही हैं। यह शिकायत न सिर्फ दिल्ली सरकार की है बल्कि देश के अन्य राज्य भी पुलिस के इस रवैये से परेशान है। यही वजह है कि अब दिल्ली सरकार मामले की शिकायत केंद्र सरकार से करने की तैयारी कर रही है ताकि ऐसे मामलों में कमी लाई जा सके।

महिला एवं बाल कल्याण मंत्री प्रो. किरण वालिया ने बताया कि दिल्ली सरकार लगातार पहल कर रही है कि वूमन ट्रैफिकिंग के मामलों को रोका जा सके। इसके लिए समाजसेवी संगठनों की भी मदद ली जा रही है। उन्होंने बताया कि यदि किसी भी परिवार के साथ इस तरह की घटना होती है तो इस संबंध में सबसे पहले पुलिस के पास शिकायत होती है पुलिस तत्काल एक्शन करे तो ऐसे मामलों में कमी लाई जा सकती है। लेकिन उनके पास जो मामले आ रहे है उससे साफ है कि लोगों की सुनवाई नहीं हो रही है। इस वजह से उन्हें सरकारी एजेंसियों के पास जाना पड़ रहा है।

335 एंटी वूमन ट्रैफिकिंग यूनिटों का गठन

मानव तस्करी को रोकने के लिए गृह मंत्रालय ने दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में 335 एंटी वूमन ट्रैफिकिंग यूनिटों का गठन किया है। सीआरपीएफ के स्पेशल डीजी और एंटी वूमन ट्रैफिकिंग विषय के एक्सपर्ट डॉ. पीएम नायर ने कहा कि मानव तस्करी का ट्रेंड बढ़ रहा है। मामले की गहराई में जाने का कोई प्रयास नहीं होता। मानव तस्करी से जुड़े केस में किस एक्ट के तहत क्या कार्रवाई हो, इस बाबत सभी राज्यों के नोडल अफसरों को जानकारी दी गई है।

संक्षिप्त

सबसे ऊंची कटलरी को देखने जुटी भीड़

नई दिल्ली। प्रगति मैदान में स्टील हाउसवेयर प्रदर्शनी गुरुवार को संपन्न हो गई। तीन दिन तक चली इस प्रदर्शनी में अपनी ऊंचाई से चकरा देने वाली कटलरी को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी रही। 74 इंच की ऊंचाई वाले कटलरी में कांटे और चम्मच की चमक दिन भर आकर्षण का केंद्र बनी रही। अचल सिंह द्वारा तैयार की गई इस कटलरी को लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में पहले ही दर्ज कर लिया गया है। अचल सिंह ने बताया कि सियलो क्राकरी द्वारा बनाए गए क्रोकरी उत्पाद घर से लेकर होटल की रसोई तक में इस्तेमाल हो सकते हैं इनमें 8 से 27 इंच वाले सर्विंग स्पून भी शामिल हैं।

महिला शिक्षकों में रोष

नई दिल्ली। अखिल दिल्ली प्राथमिक शिक्षक संघ कार्यकारिणी की बैठक गिरिराज शर्मा के नेतृत्व में गुरुवार को हुई। बैठक में बीएलओ की चुनावी ड्यूटी लगाने पर गंभीर रोष प्रकट किया गया। संघ के महासचिव रामचंद्र डबास ने बताया कि ड्यूटी लगाने से महिला शिक्षकों में काफी रोष है।

पेंशन वितरित की

नई दिल्ली। नारायणा वार्ड में पार्षद प्रमोद तंवर ने गुरुवार को विधवाओं, विकलांगों और वृद्धों को पेंशन वितरित की। राजीव गांधी कैंप में आयोजित समारोह में कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इनमें नारायणा विहार सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष संजीव अरोड़ा, तेजेंद्र तंवर आदि मौजूद थे।

अपने शहर में

- **महोत्सव :** शॉपिंग कार्निवाल, नेल्सन मंडेला रोड, वसंत कुंज, दोपहर 12 बजे से
- **प्रदर्शनी :** दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट द्वारा पेंटिंग प्रदर्शनी ऊर्जा, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट, रिंग रोड, राजौरी गार्डन, सुबह दस बजे से
- **शो :** डिस्टॉर्टेड लिब्रेशन, आदित्य विक्रम सेन की प्रदर्शनी, पुरानी एमबी रोड, सुबह 10 बजे से
- **प्रदर्शनी :** एलीगोरिज का आर्ट कोंसल्ट में आयोजन, हौज खास गांव, सुबह 11 बजे
- **प्रदर्शनी :** सुबोध गुप्ता की लाइन ऑफ कंट्रोल नामक प्रदर्शनी, साउथ कोर्ट मॉल, साकेत, सुबह 11 बजे से

एनडीएमसी ने शुरू की पेंशनधारकों के लिए हेल्पलाइन

नई दिल्ली (प्र.सं)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने पेंशन और पारिवारिक पेंशन पाने वाले व्यक्तियों के लिए हेल्पलाइन शुरू की है। इस हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को दूर करने के लिए पालिका केन्द्र में एक स्पेशल सेल बनाया गया है।

टोल फ्री नंबर 1800116362 पर पेंशन पाने वाले व्यक्ति अपनी शिकायतें दर्ज करवा सकते हैं। हर शिकायत को एक नंबर दिया जाएगा। इस नंबर की सहायता से शिकायतकर्ता जान सकेंगे कि उनकी समस्या को दूर करने के लिए क्या किया जा रहा है। इसके लिए एनडीएमसी की वेबसाइट पर जाना होगा। वहां उपलब्ध विकल्प पर विशेष नंबर टाइप करने पर स्थिति सामने होगी। शिकायत प्राप्त होने के बाद उसको हल करने के लिए 15 दिन का समय तय किया गया है। यदि शिकायत दूर नहीं हो सकती तो इसी समय के भीतर शिकायतकर्ता को सूचना दी जाएगी। जंतरमंतर स्थित पालिका केन्द्र प्रथम तल पर कमरा नं. 1001 में शिकायत के लिए प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है।

प्रताड़ना से तंग किशोर ने की जान देने की कोशिश

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

चिल्ड्रन होम

- गले में लगाया फंदा, अन्य बच्चों ने देख लिया था
- फंदा काटकर नीचे उतारा गया, हालत अब भी नाजुक
- एक टीचर पर प्रताड़ित करने का है आरोप

बाहरी दिल्ली के अलीपुर इलाके में स्थित चिल्ड्रन होम में 16 वर्षीय एक किशोर ने फांसी लगाकर खुदकुशी का प्रयास किया। हालांकि फंदे पर लटकते हुए अन्य बच्चों ने देख लिया, जिसके बाद उसे फांद काटकर उसे नीचे उतारा गया। किशोर को राजा हरिशचंद अस्पताल में दाखिल कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

आरोप है कि चिल्ड्रन होम के एक टीचर की प्रताड़ना से वह तंग आकर उसने यह कदम उठाया है। बहरहाल पुलिस विभिन्न कोणों को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। खुदकुशी का प्रयास करने वाले किशोर की उम्र 16 साल है। उसने 12 वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। वह फिलहाल इग्नू से कोई कोर्स कर रहा है।

पढ़ाई के लिए वह छोटा-मोटा काम कर पैसे भी कमाता है। कमाई की रकम वह चिल्ड्रन होम के एक टीचर के पास रखता है। आरोप है कि जब भी वह रकम की मांग करता है, तो टीचर से रुपये नहीं मिलते हैं। उल्टे उसे भला-बुरा कहा जाता है। कभी-कभी मारपीट भी की जाती है। इस बात से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है।

युवक ने की खुदकुशी : करावल नगर इलाके में 32 वर्षीय एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी पहचान सचिन के रूप में हुई है। वह अपनी शादीशुदा बहन के साथ रहता था। वह प्राइवेट काम करता था। मंगलवार रात वह अपने कमरे में सोने के लिए चला गया था। सुबह जब उसकी बहन उठी तो उसने देखा कि वह मृत हालत में पंखे लटका हुआ था। पुलिस खुदकुशी के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

विजेन्द्र गुप्ता को पेशी से मिली छूट

नई दिल्ली (व.सं)। मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की मानहानि याचिका पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता गुरुवार को अदालत में उपस्थित नहीं हुए। गुप्ता की तरफ से पेशी में छूट का आग्रह किया गया, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया।

साकेत स्थित मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट सौम्या चौहान की अदालत में गुप्ता के वकील अभय कुमार ने अपने मुवक्किल के पार्टी कार्य व्यस्त होने की जानकारी दी। उन्होंने पेशी में छूट की अर्जी भी दी। अदालत ने अर्जी को स्वीकृत करते हुए मामले की सुनवाई को 31 अगस्त के लिए स्थगित कर दिया। हालांकि उन्होंने शिकायतकर्ता के उपस्थित नहीं होने पर आपत्ति भी जताई। गुप्ता ने संबंधित अदालत के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

डीएल बनाने वाले दलालों पर कसी जाएगी नकेल

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने या गाड़ी का रजिस्ट्रेशन कराने के मामलों में परिवहन विभाग के कार्यालयों को भ्रष्टाचार से मुक्त रखने के लिए अब विशेष अधिकारी तैनात किए गए हैं। इसके लिए सर्तकता विभाग की 4 टीमें गठित की गई हैं और जनता की सहायता के लिए सभी कार्यालयों में हेल्प डेस्क बनाई गई है।

लोगों को परिवहन कानून की जानकारी काफी कम होती, है जिसकी वजह से वे दलालों के झांसे में आ जाते हैं। जैसे केवल एक आंख वाले व्यक्ति के लिए लाइसेंस जारी करने का प्रावधान है। यदि उसकी आंख कमजोर होती है तो अधिकारी उसका लाइसेंस नहीं बनाते हैं, लेकिन प्रावधानों की जानकारी होने का फायदा सक्रिय दलाल उठाते हैं और 20 हजार तक लोगों से ठग लेते हैं।

इसी प्रकार यदि कोई व्यक्ति थोड़ा लंगड़ाकर चलता है तो उसे ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अनफिट बता दिया जाता है, जबकि यह व्यक्ति अच्छे तरीके से ड्राइविंग कर सकता है। परिवहन विभाग के प्रावधान भी व्यक्ति को लाइसेंस के लिए अनुमति देते हैं। इसकी जानकारी संबंधित व्यक्ति को नहीं होती। इस वजह से उसे नुकसान उठाना पड़ता है।

दलालों की चांदी

फैंसी नंबर 5 से 50 हजार में

ये नंबर परिवहन विभाग नहीं बल्कि दलालों से खरीदे जा रहे हैं। परिवहन विभाग इन नंबरों की बिक्री की योजना बना चुका है, लेकिन यह व्यवस्था लागू नहीं हुई है। इसका फायदा दलाल उठा रहे हैं और सरकारी खजाने को चूना लग रहा है।

ट्रांसपेरेंसी अफसर का प्रभाव कम

भ्रष्टाचार कम करने के लिए हर दफ्तर में ट्रांसपेरेंसी ऑफिसर तैनात किए गए हैं। कोई भी नागरिक भ्रष्टाचार की शिकायत यहां पर कर सकता है। इस शिकायत पर अधिकारी संबंधित प्रावधानों के तहत एक्शन करता है। कम एक्शन होने की वजह से दलाल बेखौफ आम जनता को ठग रहे हैं।

परिवहन विभाग के दफ्तरों पर पारदर्शिता लाई जा सके, इसके लिए सतर्कता विभाग की 4 टीमें गठित की गई हैं और सभी दफ्तरों पर एक सहायता डेस्क बनाई गई है, ताकि आम जनता को ऐसी दिक्कतों से छुटकारा मिल सके।

अरविंदर सिंह लवली, परिवहन मंत्री

BIRLA INSTITUTE OF TECHNOLOGY
(Deemed University u/s 3 of UGC Act 1956)
MESRA , RANCHI 835 215, INDIA
Admission to B. Arch. Programme 2012 at BIT Campus, Patna
Applications are invited from eligible candidates for admission to 5 year (10 Semester) B.Arch programme (for 40 seats) at BIT Campus, Patna, for the session 2012-13.
Please see Institute website http://bitmesra.ac.in for details of eligibility criteria, cut off in AIEEE 2012, selection procedures etc. and to download the Application Form. The completed application form with all required enclosures should be sent to the office of Dean, Admission & Academic Coordination, BIT, Mesra, Ranchi, along with a crossed Demand Draft for Rs.2,500/- (Rs.1,500/- for SC/ST) non-refundable in favour of "Birla Institute of Technology", payable at Ranchi. The last date for receipt of completed application form is 27 July 2012. Registrar
Note: For details of SPOT admission against vacant seats in other PG and UG programmes 2012, see Institute website.

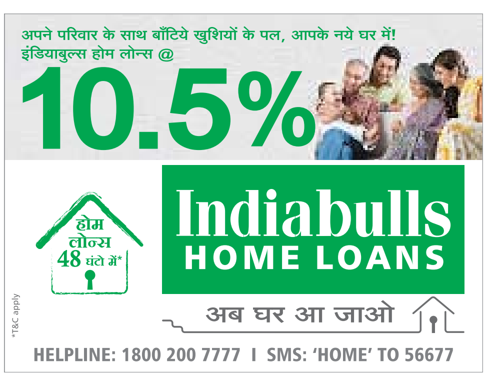

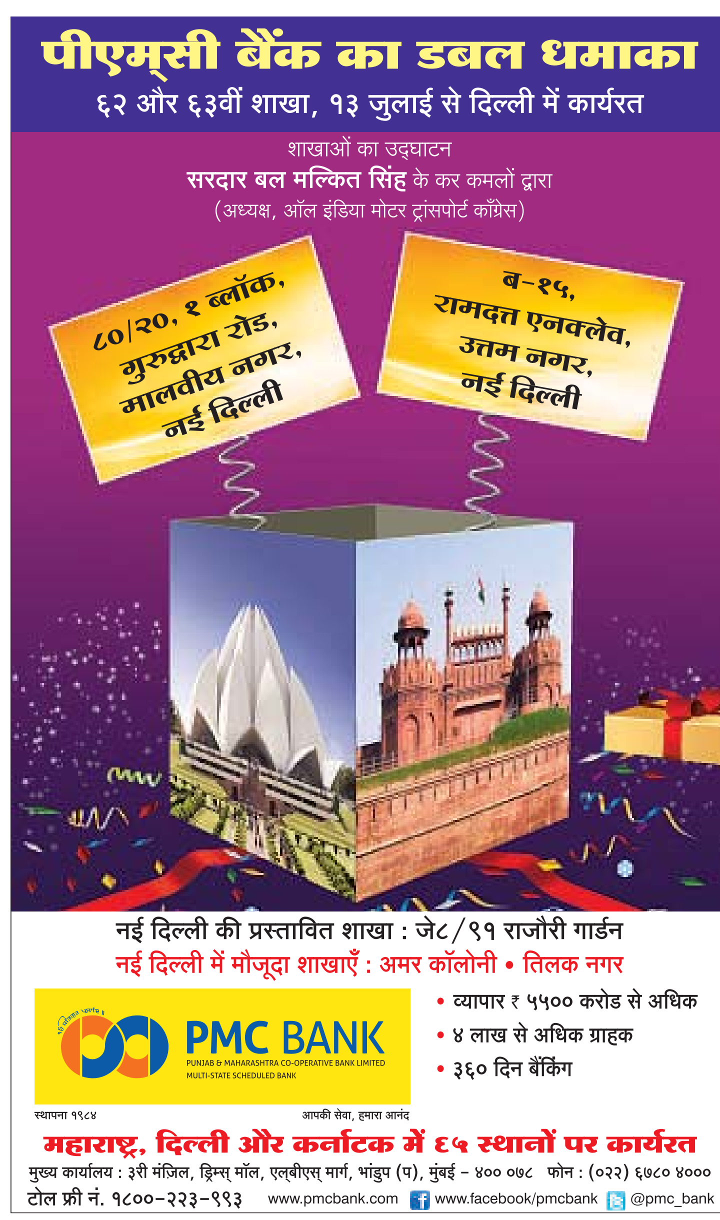

Printed and distributed by NewspaperDirect
www.newspaperdirect.com US/Can: 1.877.980.4040 Intern.: 800.6364.6364
COPYRIGHT AND PROTECTED BY APPLICABLE LAW